Series : FHE3G

SET ~ 1

प्रश्न-पत्र कोड **3/3/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 15 हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 15 प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल 15 प्रश्न हैं।* ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल चार खण्ड हैं – खण्ड **क**, **ख**, **ग** और **घ**।*

(iii) ***खण्ड क** में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है।*

(iv) ***खण्ड ख** में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है।*

(v) ***खण्ड ग** में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है।*

(vi) ***खण्ड घ** में कुल **4** प्रश्न हैं।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, कुछ खण्डों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(viii) *यथासंभव सभी खण्डों के उत्तर क्रमशः लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : 7

उत्तरी गोलार्द्ध में पतझड़ में प्रवास में चिड़ियाँ अंडे देने के स्थान से चलती हैं। वे उत्तर से दक्षिण की ओर ऊँचे अक्षांशों से निचले अक्षांशों की ओर जाती हैं; दक्षिणी गोलार्द्ध इसका उल्टा होता है जो कि स्वाभाविक ही है। चिड़ियाँ दक्षिण की सर्दी से बचने के लिए उत्तर की ओर चल पड़ती हैं। यह बात तो समझ में आती है कि कुछ चिड़ियाँ सख्त जाड़े से घबरा कर अपेक्षाकृत कम ठंडे स्थानों की ओर भाग जाती हैं और जैसे ही गर्मी शुरू होने लगती है, लौट कर अपने देश आ जाती हैं। वे अपने देश जब आती हैं, उस समय वहाँ पेड़ों पर नई-नई कोंपलें, कलियाँ और फूल निकले होते हैं और परिवार के पोषण के लिए तमाम तरह के कीड़े-मकोड़े उपलब्ध होते हैं। गर्मी खत्म होते-होते बच्चे बड़े होकर आत्मनिर्भर हो जाते हैं और पतझड़ के बाद पहली सर्दी के पड़ते ही, चिड़ियाँ दक्षिण की ओर चल देने को तैयार हो जाती हैं।

यहाँ तक तो ऐसा लगता है कि इन कठिन प्रवास यात्राओं का निश्चित महत्त्व है और शायद जो चिड़ियाँ प्रवास पर जाती हैं उनके लिए, कुछ हद तक यह आवश्यक भी है; लेकिन उलझन में डालने वाली बात यह है कि कुछ चिड़ियाँ प्रवास पर पूर्व से पश्चिम या पश्चिम से पूर्व को लगभग उसी अक्षांश पर, लगभग उसी प्रकार के जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने के लिए जाती हैं।

अपनी इस लंबी यात्रा पर प्रस्थान करने से पहले प्रवासी चिड़ियाँ इसके लिए बाकायदा तैयारी करती हैं। वे खाना अधिक मात्रा में खाती हैं ताकि चर्बी की एक तह सी बैठ जाए जो उनकी यात्रा में उनके शरीर को ताकत प्रदान करती रहे। कुछ चिड़ियाँ अभ्यास करना और झुंड बनाकर उड़ना सीखना शुरू कर देती हैं। प्रयोगों से पता चला है कि सूरज निकलने और डूबने से चिड़ियों को प्रस्थान के समय का संकेत मिलता है। लंबी यात्रा में सूरज ही उनको कुतुबनुमा का काम देता है।

(i) पक्षी ऊँचे अक्षांशों से निचले अक्षांशों की ओर क्यों जाते हैं ? 1

I. प्रवास के उद्देश्य से

II. अधिक सर्दी से बचने के लिए

III. गर्मी के मौसम की खोज में

विकल्प :

(A) केवल II

(B) I और III

(C) II और III

(D) I और II

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : कुछ पक्षी समान जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने के लिए प्रवास करते हैं।

कारण : उनके लिए पश्चिम से पूर्व या पूर्व से पश्चिम जाना अनिवार्य होता है।

विकल्प :

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन ग़लत है, परंतु कारण सही है।

(C) कथन सही है और कारण उसकी उचित व्याख्या है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या ***नहीं*** है।

(iii) चिड़ियाँ जब प्रवास से लौटती हैं तब उनके देश में कौन-सा परिवर्तन आ चुका होता है ? *1*

(A) गर्मी का मौसम खत्म हो चुका होता है।

(B) पेड़ों पर नई कोंपलें, फूल आदि लग चुके होते हैं।

(C) उनके बच्चे बड़े होकर अपने रास्तों पर निकल चुके होते हैं।

(D) सारे कीड़े-मकोड़े अनुपलब्ध हो चुके होते हैं।

(iv) पक्षी प्रवास पर जाने से पहले कौन-सी तैयारियाँ करते हैं ? किन्हीं दो का स्पष्ट उल्लेख कीजिए। *2*

(v) पक्षियों के लिए प्रवास की आवश्यकता और उसके महत्त्व को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए। *2*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

चीज़ों का हूबहू दिखना अपनी ही शक़्ल में
कविता में मुझे पसन्द नहीं बिल्कुल

मैं चाहता हूँ मेरा फटा पुराना जूता भी दिखे वहाँ
पूर्णिमा के पूरे चाँद की तरह
एक साबुन की तरह दिखे मेरी आत्मा
छोटी-छोटी विकृतियाँ और अन्तर्विरोध भी दिखें वहाँ
फूली हुई नसों वाले राक्षसों से इतने वीभत्स और दैत्याकार
कि आसानी से की जा सके उनसे घृणा
की जा सके नफ़रत

मुझे पसन्द हैं वे विदूषक जो मंच पर आने से पहले ही
रँग लेते हैं अपना पूरा चेहरा
मैं चाहता हूँ
बेहद थका और ऊबा हुआ फोरमैन भी जब अपने घर में घुसे
तो बदल जाए तत्काल उसका चेहरा
अपनी पाँच बरस की बेटी के पिता की तरह

बदल जाएँ, बदल जाएँ लोगों के चेहरे
जब वे मेरी कविता में आएँ
हीरे की तरह चमकती हुई दिखें लोगों की
बहुत छोटी-छोटी अच्छाइयाँ
कि निराश आदमी पलट कर दौड़ पड़े
जीवन की ओर चिल्लाता हुआ
कुछ नहीं है जीवन से ज्यादा सुन्दर
जीवन से ज्यादा प्यारा
जीवन की तरह अमर

मैं चाहता हूँ
कि कविता के भीतर फैली आसमान की टेबिल पर
मैं जब सूरज के साथ चाय पी रहा होऊँ
एक विशाल समुद्र की तरह दिखे
मेरा कप।

(i) 'फटा पुराना जूता भी पूर्णिमा के पूरे चाँद की तरह दिखे' – पंक्ति का आशय है : *1*

(A) फटे पुराने जूते का भी साफ-सुथरा दिखाई देना

(B) अत्यंत मामूली चीज़ों का भी सौंदर्य से परिपूर्ण दिखाई देना

(C) अत्यंत मामूली चीज़ों का भी कविता में वर्णन होना

(D) अतीत की चीज़ों का भी कविता में सुंदरतापूर्ण उल्लेख होना

(ii) कवि किनसे नफ़रत और घृणा का बर्ताव चाहता है ? *1*

(A) फूली हुई नसों वाले राक्षस से

(B) अपनी छोटी-बड़ी विकृतियों से

(C) वीभत्स लगने वाले दैत्यों से

(D) साबुन की तरह दिखती आत्मा से

(iii) कवि की कामना में फोरमैन के बदलते चेहरे का तात्पर्य है : *1*

(A) बाहर की थकान और ऊब को छोड़ घर में स्नेह और कोमलता का भाव रखना।

(B) पाँच बरस की बच्ची के पिता की तरह ज़िम्मेदारी भरा व्यवहार करना।

(C) काम से उपजी थकान और ऊबे हुए मन को भूलकर प्रसन्न दिखने का नाटक करना।

(D) मंच पर आने वाले विदूषक की तरह सबको प्रसन्न करने का प्रयास करना।

(iv) काव्यांश के आधार पर कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। *2*

(v) क्या कवि कविता से असंभव उम्मीद पाल रहा है ? तर्कपूर्ण टिप्पणी कीजिए। *2*

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) बालगोबिन भगत एक-एक पद गाते और उनकी मंडली उसे दुहराती-तिहराती थी। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) हमने सुना कि बालगोबिन भगत का बेटा नहीं रहा। (आश्रित उपवाक्य पहचानकर उसका भेद भी लिखिए)

(ग) कुतूहलवश जब मैं उनके घर गया तो देखकर दंग रह गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(घ) उनकी अंगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं, उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ङ) नवाब साहब खीरे की तैयारी और इस्तेमाल से थककर लेट गए थे। (रचना के अनुसार वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4\times1=4$

(क) लड़कियाँ मैदान में खेल रही थीं। (इस वाक्य में वाच्य पहचानकर लिखिए)

(ख) कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा लगाता था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ग) दादाजी से अब चला नहीं जाता। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) वह चलकर आया था। (भाववाच्य में बदलिए)

(ङ) बालक से दूध पीया जाता है। (वाच्य-भेद पहचानकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4\times1=4$

(क) पानवाला मजाकिया स्वभाव का व्यक्ति था।

(ख) उसके लिए यह एक मज़ेदार बात थी।

(ग) मैं देर तक उसकी प्रतीक्षा करता रहा लेकिन वह नहीं आया।

(घ) वह ठीक ही सोच रहे थे।

(ङ) उन्होंने मानवीय क्रियाओं को छोटे-छोटे भागों में बाँटा।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $4\times1=4$

(क) "लो यह लतिका भी भर लाई।
मधु मुकुल नवल रस गागरी।"
— पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानकर लिखिए।

(ख) "उस काल मारे क्रोध के तनु काँपने उसका लगा।
मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा॥"
— पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचानकर लिखिए।

(ग) "नभमंडल छाया मरुस्थल-सा दल बाँध के अंधड़ आवै चला।" — पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार पहचानिए।

(घ) रूपक अलंकार का एक उपयुक्त उदाहरण काव्य-पंक्तियों के द्वारा लिखिए।

(ङ) अतिशयोक्ति अलंकार का एक सटीक उदाहरण अपनी स्मृति से लिखिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

काशी संस्कृति की पाठशाला है। शास्त्रों में आनंदकानन के नाम से प्रतिष्ठित। काशी में कलाधर हनुमान व नृत्य-विश्वनाथ हैं। काशी में बिस्मिल्ला खाँ हैं। काशी में हज़ारों सालों का इतिहास है जिसमें पंडित कंठे महाराज हैं, विद्याधरी हैं, बड़े रामदास जी हैं, मौजुद्दीन खाँ हैं व इन रसिकों से उपकृत होने वाला अपार जन-समूह है। यह एक अलग काशी है जिसकी अलग तहज़ीब है, अपनी बोली और अपने विशिष्ट लोग हैं। इनके अपने उत्सव हैं, अपना गम। अपना सेहरा-बन्ना और अपना नौहा। आप यहाँ संगीत को भक्ति से, भक्ति को किसी भी धर्म के कलाकार से, कजरी को चैती से, विश्वनाथ को विशालाक्षी से, बिस्मिल्ला खाँ को गंगाद्वार से अलग करके नहीं देख सकते।

अकसर समारोहों एवं उत्सवों में दुनिया कहती है ये बिस्मिल्ला खाँ हैं। बिस्मिल्ला खाँ का मतलब – बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। शहनाई का तात्पर्य – बिस्मिल्ला खाँ का हाथ। हाथ से आशय इतना भर कि बिस्मिल्ला खाँ की फूँक और शहनाई की जादुई आवाज़ का असर हमारे सिर चढ़कर बोलने लगता है। शहनाई में सरगम भरा है। खाँ साहब को ताल मालूम है, राग मालूम है। ऐसा नहीं कि बेताले जाएँगे। शहनाई में सात सुर लेकर निकल पड़े। शहनाई में परवरदिगार, गंगा मइया, उस्ताद की नसीहत लेकर उतर पड़े। दुनिया कहती – सुबहान अल्लाह, तिस पर बिस्मिल्ला खाँ कहते हैं – अलहमदुलिल्लाह।

(i) काशी के विषय में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं ? उचित विकल्प छाँटकर लिखिए।

I. इसे शास्त्रों में आनंदकानन कहा गया है।

II. यहाँ संगीत और भक्ति एक-दूसरे में रचे-बसे हैं।

III. यहाँ पर संस्कृति शिक्षण के लिए एक पाठशाला का निर्माण हुआ है।

विकल्प :

(A) केवल I और II सही हैं।

(B) केवल I और III सही हैं।

(C) केवल III सही है।

(D) केवल II और III सही हैं।

(ii) काशी को 'संस्कृति की पाठशाला' क्यों कहा गया है ?

(A) अत्यंत प्राचीन होने के कारण

(B) संस्कृत पठन-पाठन की सुविधा के कारण

(C) सांप्रदायिक सद्भाव की विशिष्टता के कारण

(D) कला, साहित्य और अध्यात्म का समन्वित रूप होने के कारण

(iii) 'बिस्मिल्ला खाँ का मतलब उनकी शहनाई है,' ऐसा क्यों ?

(A) बिस्मिल्ला खाँ का वजूद शहनाई के बिना कुछ भी नहीं।

(B) बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई ने उनको पूरी दुनिया में पहचान दिलाई।

(C) बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई सबसे अलग और अनोखी है।

(D) बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई एक-दूसरे के पूरक और पर्याय हैं।

(iv) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई की जादुई आवाज़ का असर सभी के ऊपर खूब होता है।

कारण : उनकी शहनाई तालों, रागों और सरगम के सुरों से भरी हुई है।

विकल्प :

(A) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कथन की उचित व्याख्या कारण के द्वारा हो रही है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परंतु कारण, कथन की उचित व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(v) गद्यांश में बिस्मिल्ला खाँ के साथ ही निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण संस्कृति-कर्मियों का उल्लेख काशी के संदर्भ में हुआ है :

I. पंडित कंठे महाराज

II. विद्याधरी

III. विशालाक्षी देवी

IV. बड़े रामदास जी

विकल्प :

(A) I, II और III

(B) I, II और IV

(C) I, III और IV

(D) II, III और IV

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : $3 \times 2 = 6$

(क) 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर आज़ादी के आंदोलन के भीतर विद्यार्थियों की भूमिका के कोई दो पहलू स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के पात्र 'पानवाले' के व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते हुए उसकी दो विशेषताएँ लिखिए। एक जिसे आप पसंद करते हों और दूसरी जिसे आप अवश्य बदलना चाहेंगे। दोनों को स्पष्ट करना ज़रूरी है।

(ग) बालगोबिन भगत पाठ से सोदाहरण सिद्ध कीजिए कि भगत, कबीर की शिक्षा को सिर्फ कथनी में ही नहीं करनी में भी उतारते थे।

(घ) 'लखनवी अंदाज़' पाठ नवाबी संस्कृति की परतों को खोलकर रख देता है, कैसे ? सोदाहरण समझाइए।

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : $5 \times 1 = 5$

मुख्य गायक के चट्टान जैसे भारी स्वर का साथ देती
वह आवाज़ सुंदर कमज़ोर काँपती हुई थी
वह मुख्य गायक का छोटा भाई है
या उसका शिष्य
या पैदल चलकर सीखने आने वाला दूर का कोई रिश्तेदार
मुख्य गायक की गरज़ में
वह अपनी गूँज मिलाता आया है प्राचीन काल से
गायक जब अंतरे की जटिल तानों के जंगल में
खो चुका होता है
या अपने ही सरगम को लाँघकर
चला जाता है भटकता हुआ एक अनहद में
तब संगतकार ही स्थायी को सँभाले रहता है
जैसे समेटता हो मुख्य गायक का पीछे छूटा हुआ सामान

जैसे उसे याद दिलाता हो उसका बचपन
जब वह नौसिखिया था
तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज़ से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं है
और यह कि फिर से गाया जा सकता है

(i) 'संगतकार' कौन हो सकता है ?

I. मुख्य गायक का पुत्र

II. मुख्य गायक का छोटा भाई

III. मुख्य गायक का कोई दूर का रिश्तेदार

IV. मुख्य गायक का कोई शिष्य

विकल्प :

(A) I, II और III

(B) I, II और IV

(C) I, III और IV

(D) II, III और IV

(ii) गायक अंतरे की जटिल तानों में खो चुका होता है – का आशय है :

(A) गायक गाने की जटिलता में सुर खो देता है।

(B) गायक गाने की पंक्ति को बीच में ही भूल जाता है।

(C) गायक अंतरे को गाने में सरगम और तानों की जटिलता भूल जाता है।

(D) गायक अंतरे की तानों की गहराई और जटिलता में सुध-बुध खो देता है।

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए :

कथन : संगतकार मुख्य गायक को उसका बचपन याद दिलाता है।

कारण : मुख्य गायक भी कभी नौसिखिया था।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, परंतु कारण सही है।

(B) कथन सही है, परंतु कारण ग़लत है।

(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की उचित व्याख्या है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं, परन्तु कारण, कथन की उचित व्याख्या ***नहीं*** है।

(iv) मुख्य गायक के प्रतिभावान होने के बावजूद संगतकार का होना क्यों आवश्यक है ?

(A) स्थायी और आनुषंगिक मुश्किलों को सँभालने के लिए

(B) उसके बचपन की याद दिलाने के लिए

(C) सुरों और सरगम की सीख लेने के लिए

(D) पीछे छूटने वाले सामान को समेटने के लिए

(v) पद्यांश में वर्णित पंक्तियों के आधार पर मुख्य गायक के बारे में कौन-सा कथन ***असत्य*** है ?

(A) मुख्य गायक कभी-कभी अपनी सरगम में बेसुध होकर अनहद में खो जाता है।

(B) उच्च सुरों में उसका गला थकने लगता है और आवाज़ बुझने भी लगती है।

(C) संगतकार मुख्य गायक की गरजती हुई आवाज़ में अपनी गूँज मिलाकर उसे और पुष्ट करता है।

(D) मुख्य गायक अपने नौसिखिए होने को याद कर प्रेरणाहीन हो थकने लगता है।

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : $3 \times 2 = 6$

(क) सूरदास की गोपियों की वाक्-चातुर्य को किन्हीं दो उदाहरणों से स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि निराला बादलों से किन-किन कारणों से गरजने/बरसने का आग्रह कर रहे हैं ? 'उत्साह' कविता के आधार पर कोई दो कारण अवश्य लिखिए।

(ग) 'यह दंतुरित मुसकान' कविता में बच्चे के स्पर्श से 'शेफालिका के फूलों के झरने' से क्या अभिप्राय है ?

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता के कवि के जीवन का संबल क्या है ? वह उसे सबसे बाँटना क्यों नहीं चाहता ?

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : $2 \times 4 = 8$

(क) 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ में लेखिका के पर्यटन-अनुभवों में आपको सबसे विशेष कौन-सी बातें लगीं ? किन्हीं दो बातों का उल्लेख करते हुए अपनी किसी पर्यटन यात्रा के अनुभव का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ और उसके साथियों का प्रकृति से जुड़ाव दिखता है। पाठ के संदर्भ में उस जुड़ाव को सोदाहरण लिखते हुए बताइए कि आज के बच्चे प्रकृति के साथ कैसा संबंध रखते हैं।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर लिखिए कि कोई भी लेखक क्यों लिखता है। लेखन के लिए अनिवार्य कारकों में आप किसे शामिल करेंगे और क्यों ?

खण्ड घ

(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *6*

(क) नेतृत्व-कौशल : आवश्यक विशेषताएँ

संकेत-बिंदु

- नेतृत्व कौशल क्या है ?
- उसके ज़रूरी गुण
- कैसे विकसित करें अपने भीतर ये गुण

(ख) बदल रहे हैं हमारे गाँव

संकेत-बिंदु

- आधुनिक सुविधाओं से युक्त
- सोच में परिवर्तन
- शहरी आबोहवा का असर

(ग) सोशल मीडिया : एक धीमा ज़हर

संकेत-बिंदु

- सोशल मीडिया का प्रभाव और दुष्प्रभाव
- युवा-पीढ़ी की ऊर्जा का नाश
- अकेलापन और दबाव